अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) आचार्य मघवा ने अपने शासनकाल में सबसे पहले किसे दीक्षित किया?

(ख) मुनि मघवा ने 11 इंच लम्बे 5 इंच चौड़े पत्र में कौनसा सूत्र टीका सहित लिखा?

(ग) जयाचार्य ने मुनि मघवा को युवाचार्य बनाया उस समय मुनि छोगजी को क्या सम्मान दिया?

(घ) आचार्य मघवागणी कब व कहाँ दिवंगत हुए?

(ङ) आचार्य मघवागणी ने अपने शासनकाल में कितने शहरों में कितने चातुर्मास किए?

(च) गोगुन्दा के किस श्रावक ने सगाई होने के बाद आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार किया?

आचार्य श्री माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) बालक माणक को संसार से विरक्ति कब हुई?

(ज) जयाचार्य की सन्निधि में मुनि माणकलालजी ने कितने चातुर्मास किए व जयाचार्य ने उन्हें अग्रणी कब बनाया?

(झ) आचार्यश्री माणकगणी ने हरियाणा प्राप्त के किस क्षेत्र में मर्यादा महोत्सव किया?

(ञ) माणकगणी ने आचार्य बनने के बाद सन्तों को क्या सुविधा दी?

(ट) आचार्य माणकगणी के ज्वर को प्राणहारी किसने बताया?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ठ) डालगणी की माता जड़ावांजी को कब व किसने दीक्षित किया?

(ड) डालमुनि ने अग्रणी काल में कितने भाई–बहनों को दीक्षित किया?

(ढ़) डालगणी के निर्देशानुसार संघ के टालोकर श्रावक को बहिष्कृत करने वाले जोधपुर के प्रमुख श्रावक कौन–कौन थे?

(ण) अन्तरिमकाल में पंचपद वंदना में तीसरे पद में किसको वंदन किया जाने लगा?

(त) साध्वी जेठांजी को आचार्यश्री डालगणी ने महासती सम्बोधन सम्मान कब और कहाँ दिया?

आचार्यश्री मघवागणी – 21

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) आचार्य मघवागणी ने कुचामण के ठाकुर केसरी सिंहजी को आत्म–सुधार के साधन क्या बताए?

(ख) मघवागणी ने स्वाध्याय की दृष्टि से लोगस्स की कौनसी परिपाटी शुरू की?

(ग) 1919 के ग्रीष्मकाल में जयाचार्य ने मुनि मघवा को सम्मानित कैसे किया?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 6

(क) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि जयाचार्य मुनि मघवा की स्वभावगत विशेषताओं के कारण प्रारम्भ से ही उनके प्रति आकृष्ट थे।

(ख) ''दो चातुर्मासों की घोषणा'' घटना प्रसंग लिखें।

प्र.4 आचार्य मघवा की साहित्यिक चर्चा का वर्णन करते हुए लिखें कि वे तेरापंथ में संस्कृत के प्रथम रचनाकार थे। 10

'अथवा'

सिद्ध करें कि आचार्य मघवा तेरापंथ धर्मसंघ के एक महान आचार्य थे।

आचार्य श्री माणकगणी – 17

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) आचार्य मघवागणी ने युवाचार्य नियुक्ति पत्र कब लिखा? किसके निवेदन पर लिखा और किसे सौंपा?

(ख) मुनि माणकलालजी के विकास के लिए आचार्य मघवागणी ने कौन–कौन से अवसर प्रदान किए?

(ग) आचार्यश्री माणकगणी ने भिवानी में 27 दिन का प्रवास क्यों किया?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 12

(क) तेरापंथ के नीति निपूर्ण और समयज्ञ साधुसंघ ने आचार्य विहीन संघ का संचालन व भावी आचार्य का निर्वाचन कैसे किया? लिखें। (ख) ''चिरंजीकांड'' घटना का वर्णन करें।

(ग) आचार्य मघवा ने युवाचार्यश्री को जो शिक्षाएँ दीं, वह उनकी शासन व्यवस्था संबंधी शिक्षा तो थी, अंतिम शिक्षा भी। उसके मुख्य बिन्दुओं का उल्लेख करें।

आचार्यश्री डालचन्दजी – 21

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) आचार्यश्री डालगणी ने साध्वीश्री मानकंवरजी के लिए वंदना निषेध क्यों किया?

(ख) डालगणी का अन्तिम प्रवास स्थल कौनसा था? उस प्रवास में उन्होंने कितने चातुर्मास व मर्यादा महोत्सव सम्पन्न किए?

(ग) ''तब तो मेरे जैसे लोगों को इतने जूते पड़ेंगे कि धरती भी नहीं झेल पायेगी?'' यह कथन किसने, किससे किस संदर्भ में कहा?

प्र.8 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि डालगणी अपनी बात की सुदृढ़ पकड़ वाले आचार्य थे। परन्तु उनकी पकड़ अंधी कभी नहीं होती थी। अपने कार्य की समीक्षा के लिए भी उनकी तैयारी रहती थी।

(ख) ''डालमुनि का व्यक्तिव ही कुछ ऐसा था कि उनसे हर कोई सहज ही प्रभावित हो जाता था।'' घटना प्रसंग से सिद्ध करें।

प्र.9 डालगणी को ''कच्छ के पुज्य'' क्यों कहा जाता था? 'अथवा' सिद्ध करें कि आचार्यश्री डालगणी एक सिद्धान्तवादी व्यक्ति थे। 10

तुलसी प्रबोध – 21

प्र10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें – 12

(क) ''मां वदना की दीक्षा'' वाला पद्य लिखें।

(ख) ''संघ पुरुष हो सदा चिरायु'' घोष वाला पद्य लिखें।

(ग) ''हकीम खां सूर'' उपहार वाला पद्य लिखें।

प्र11 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) महाप्रज्ञ रै द्वारा.....पुनरूद्धार हो।। (ख) पाव सदी.....उपहार हो।।

(ग) चौबी सन्त.....सैकड़ा च्यार हो।।

(घ) ''लाइफ'' टाइम में न्यूज प्रचार–प्रसार वाला पद्य लिखें।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र12 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) ''बदले युग की धारा'' वाला पद्य लिखें।

(ख) ''संता शासन ओ स्वामीजी रो'' वाला पद्य लिखें।

(ग) ''वंदना लो झेलो'' गीत वाला पद्य लिखें

(घ) गणधारी हो ब्रह्मचारी। म्हानै थांरी याद सतावै।। वाला पद्य।